Series : HG6EF

SET ~ 3

प्रश्न-पत्र कोड 3/6/3

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

नोट :

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।

(II) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **15** प्रश्न हैं ।

(III) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

~

हिन्दी (अ)
HINDI (A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 15 प्रश्न हैं । सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

*(ii) इस प्रश्न-पत्र में **चार** खंड हैं – **खंड-क, ख, ग, घ** ।*

*(iii) **खंड-क** में कुल 2 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 10 है ।*

*(iv) **खंड-ख** में कुल 4 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है ।*

*(v) **खंड-ग** में कुल 5 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 21 है ।*

*(vi) **खंड-घ** में कुल 4 प्रश्न हैं ।*

(vii) प्रश्न-पत्र में समग्र विकल्प नहीं दिया गया है, यद्‌यपि, कुछ खंडों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

*(viii) यथासंभव **सभी** खंडों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।*

खंड – क

(अपठित बोध) (14)

1. निम्नलिखित गद्‌यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 7

शिक्षकों को अपने यहाँ बहुत से विशेषणों से संबोधित किया जाता रहा है । शिक्षक को राष्ट्र-निर्माता कहा जाता है । युवा पीढ़ी का सुधारक, मशाल-वाहक और पथ-प्रदर्शक भी कहा जाता है । शिक्षक शिक्षा के साथ-साथ अपने शिष्यों को जीवन-कौशल और नैतिक मूल्यों का भी ज्ञान प्रदान करते हैं । मानव जाति के लिए नई सोच और दृष्टिकोण की अपेक्षा भी शिक्षकों से ही की जाती है । शिक्षकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका समाज को सशक्त और समृद्‌ध बनाने में भी है ।

हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा और प्राचीन ग्रंथों में जगह-जगह एक आदर्श गुरु के गुणों को वर्णित किया गया है । स्कंद पुराण के गुरु-स्तोत्रम् में तो गुरुओं की तुलना ब्रह्मा, विष्णु और महेश से की गई है तथा गुरु को साक्षात् परब्रह्म माना गया है । एक अच्छे गुरु में गहन ज्ञान, विद्‌वत्ता, करुणा, नैतिकता व चरित्र, नवीनता, नवाचार, अनुशासनप्रियता और समानता का भाव अपेक्षित है । यही गुण एक गुरु को महान बनाते हैं और शिष्यों के जीवन में सकारात्मक प्रभाव डालते हैं ।

अपनी सदी के महान कवि और संत कबीरदास जी ने भी कहा है – 'गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि-गढ़ि काढ़ै खोट' – अर्थात् गुरु कुम्हार है और शिष्य घड़ा है जो गढ़-गढ़ कर शिष्य की कमियों को दूर करता है। शिक्षक अपने सफल मार्गदर्शन द्वारा शिष्यों को उनकी शक्तियों से परिचित कराते हुए उनके विकास के मार्ग को प्रशस्त करते हैं। शिक्षक समाज के भविष्य निर्माताओं को तैयार करने में एक अहम भूमिका निभाते हैं।

(क) शिक्षक शिक्षा के साथ-साथ शिष्यों को प्रदान करता है – **1**

(A) नैतिक मूल्यों का ज्ञान

(B) धन-अर्जित करने का ज्ञान

(C) पेशेवर विकास का ज्ञान

(D) भविष्य सुनिश्चित करने का ज्ञान

(ख) गुरु को ब्रह्मा क्यों कहा गया है ? **1**

(A) छात्रों के हित गुरु के भीतर छिपी कल्याण-भावना के कारण

(B) समाज के भविष्य निर्माताओं को तैयार करने की भूमिका के कारण

(C) छात्रों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने के कारण

(D) रोज़गार हेतु विद्यार्थियों में कौशल विकास करने के कारण

(ग) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए : **1**

कथन : मानव जाति के लिए नई सोच और दृष्टिकोण विकसित करना शिक्षक का दायित्व है।

कारण : हमारी ज्ञान परंपरा और ग्रंथों में गुरु को महान बताया गया है।

(A) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं।

(B) कारण सही है लेकिन कथन गलत है।

(C) कथन सही है लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(घ) शिक्षक को पथ-प्रदर्शक क्यों कहा जाता है ? किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए। **2**

(ङ) कबीरदास जी ने गुरु की तुलना कुम्हार से क्यों की है ? किन्हीं दो कारणों को स्पष्ट कीजिए। **2**

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **7**

लीक पर वे चले जिनके
चरण दुर्बल और हारे हैं
हमें तो जो हमारी यात्रा से बने
ऐसे अनिर्मित पंथ प्यारे हैं।
साक्षी हों राह रोके खड़े
पीले बाँस के झुरमुट,
कि उनमें गा रही है जो हवा
उसी से लिपटे हुए सपने हमारे हैं।
शेष जो भी हैं -
वक्ष खोले डोलती अमराइयाँ
गर्व से आकाश थामे खड़े
ताड़ के ये पेड़
हिलती क्षितिज की झालरें,
झूमती हर डाल पर बैठी
फलों से मारती
खिलखिलाती शोख अल्हड़ हवा
गायक-मंडली-से थिरकते

आते गगन में मेघ,

वाद्य यंत्रों से पड़े टीले,

नदी बनने की प्रतीक्षा में, कहीं नीचे

शुष्क नाले में नाचता एक अँजुरी जल

सभी, बन रहा है कहीं जो विश्वास

जो संकल्प हममें

बस उसी के सहारे हैं

(क) कवि पूर्व निर्मित मार्ग का अनुसरण क्यों नहीं करना चाहता है ? **1**

(A) वह किसी और का अनुचर बनकर रहना चाहता है।

(B) किसी और के द्‌वारा निर्मित मार्ग उसे अच्छा नहीं लगता है।

(C) कवि आत्मविश्वासी है और अपना मार्ग स्वयं बनाना चाहता है।

(D) किसी अन्य द्‌वारा निर्मित मार्ग पर चलना उसे अनुचित लगता है।

(ख) किस तरह के लोग दूसरों के सहारे जीवन जीते हैं ? **1**

(A) जो आज्ञाकारी प्रवृत्ति के होते हैं। (B) जो अक्षम और निराश होते हैं।

(C) जो जल्दी सफल होना चाहते हैं। (D) जिनके सपने बहुत बड़े होते हैं।

(ग) बादलों की तुलना किससे की गई है ? **1**

(A) अपनी ही धुन पर थिरकती गायक मंडली से

(B) दूसरों की धुन पर थिरकती गायक मंडली से

(C) अपनी ही धुन में मग्न नर्तक मंडली से

(D) तीव्र गति से नृत्य करती नर्तक मंडली से

(घ) “हमें तो जो हमारी यात्रा से बने 2

ऐसे अनिर्मित पंथ प्यारे हैं।” – का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ङ) प्रकृति के विविध घटक कवि को क्या प्रेरणा देते हैं ? किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए। 2

खंड – ख

(व्यावहारिक व्याकरण) (16)

3. निर्देशानुसार ‘रचना के आधार पर वाक्य-भेद’ पर आधारित **पाँच** प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $4 \times 1 = 4$

(क) काशी आज भी संगीत के स्वर पर जागती है और उसी के स्वरों पर सोती है। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ख) द्विवेदी जी ने लेखकों की सुविधा के लिए व्याकरण और वर्तनी के नियम स्थिर किए। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ग) यदि सिद्धार्थ ने भी यही किया होता तो वह गौतम बुद्ध नहीं बन पाते। (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद का नाम लिखिए)

(घ) यह वही लड़का है, जो कल यहाँ आया था। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)

(ङ) सुबह की प्रार्थना के ये बोल मैंने एक नेपाली युवक से सीखे थे। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित **पाँच** प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $4 \times 1 = 4$

(क) बालगोबिन द्वारा पतोहू को मायके भेज दिया गया । (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(ख) किस वाच्य में सिर्फ अकर्मक क्रिया का प्रयोग किया जाता है ?

(ग) मुझसे अब दौड़ा नहीं जाता । (वाच्य पहचानकर भेद का नाम लिखिए)

(घ) निराला ने अपनी रचनाओं के माध्यम से परिवर्तन का आह्वान किया है । (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ङ) बादल गर्जन–तर्जन के साथ बरस रहे हैं । (वाच्य पहचानकर भेद का नाम लिखिए)

5. निर्देशानुसार 'पद–परिचय' पर आधारित **पाँच** प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के रेखांकित पदों का पद–परिचय दीजिए : $4 \times 1 = 4$

(क) संगीतज्ञ साधारण <u>ध्वनि</u> को मध्य सप्तक कहते हैं ।

(ख) ऋग्वेद के <u>पाँचवें</u> मंडल में इसका उल्लेख है ।

(ग) हालदार साहब मूर्ति के सामने <u>देर तक</u> सावधान की मुद्रा में खड़े रहे ।

(घ) उनकी यह सफलता उनकी विद्या <u>और</u> शिक्षा का ही परिणाम है ।

(ङ) <u>वे</u> हमें अनेक जटिल प्रश्नों से टकराने की प्रेरणा देते हैं ।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित **पाँच** प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों की रेखांकित काव्य-पंक्तियों में अलंकार पहचानकर लिखिए : $4 \times 1 = 4$

(क) अंबर पनघट में डुबो रही, <u>तारा घट</u> उषा नागरी ।

(ख) उदाहरण देकर अतिशयोक्ति अलंकार को स्पष्ट कीजिए ।

(ग) पूछे बिन कोऊ काहू सों न करे बात
देवता से बैठे सब, साधि-साधि मौन हैं ।

(घ) कुछ ऐसे भोर की बयार गुनगुना उठी,
अलसाए कुहरे की बाँह सिमटने लगी ।

(ङ) हरि मुख मानो मधुर मयंक

खंड – ग

(पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित) (30)

7. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प का चयन कीजिए : **5 × 1 = 5**

हमारैं हरि हारिल की लकरी ।
मन क्रम बचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी ।
जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जक री ।
सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी
सु तौ ब्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी
यह तौ 'सूर' तिनहिं लै सौंपौ, जिनके मन चकरी ।।

(क) गोपियों के अनुसार उद्धव द्वारा किन लोगों को योग की शिक्षा दी जानी चाहिए ?

(A) जिनके मन में कृष्ण के प्रति भक्ति हो

(B) जो योग के बारे में जानना चाहते हों

(C) जो भक्ति मार्ग को हृदय से अपनाना चाहते हों

(D) जिनका मन कृष्ण के प्रति स्थिर न हो

(ख) 'हारिल' और 'हारिल की लकड़ी' किनके प्रतीक हैं ?

(A) कृष्ण – कृष्ण (B) कृष्ण – गोपियाँ

(C) गोपियाँ – कृष्ण (D) कृष्ण – उद्धव

(ग) पद्यांश में व्याधि किसे बताया गया है ?

(A) कृष्ण के मित्र उद्धव को (B) उद्धव के बताए योग को

(C) कटुक स्वाद वाली ककड़ी को (D) कृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम को

(घ) दिए गए कथनों में से काव्यांश के संदर्भ में सही विकल्प का चयन कीजिए :

(A) गोपियाँ दिन–रात कृष्ण के नाम का जप करती रहती हैं ।

(B) गोपियाँ उद्धव को भी योग त्यागने की सलाह देती हैं ।

(C) गोपियाँ उद्धव को भी भक्ति मार्ग अपनाने को कहती हैं ।

(D) गोपियाँ कृष्ण से प्रेम करके बहुत पछता रही हैं ।

(ङ) कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : गोपियाँ कृष्ण के प्रति अपने अगाध प्रेम के कारण भ्रमित थीं ।

कारण : प्रेम और विश्वास की गहराई से व्यक्ति में सूझ–बूझ की कमी हो जाती है ।

(A) कथन गलत है किंतु कारण सही है ।

(B) कथन और कारण दोनों ही गलत हैं ।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या है ।

(D) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है ।

8. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित **चार** प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लगभग **25-30** शब्दों में लिखिए : **3 × 2 = 6**

(क) 'यह दंतुरित मुस्कान' कविता में शिशु से मिलकर कवि को कैसी अनुभूति होती है ?

(ख) 'संगतकार' कविता के माध्यम से कवि ने किस सत्य को उजागर किया है ?

(ग) "आए अज्ञात दिशा से अनंत के घन" 'उत्साह' कविता से उद्धृत इस पंक्ति में बादलों को 'अनंत के घन' क्यों कहा गया है ?

(घ) "तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे – यह गागर रीती ।"
कहकर कवि ने अपने जीवन के किस पहलू पर प्रकाश डाला है ?

9. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5 × 1 = 5**

हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मज़ाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा । मुड़कर देखा तो अवाक् रह गए । एक बेहद बूढ़ा मरियल-सा लँगड़ा आदमी सिर पर गांधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए एक हाथ में एक छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बाँस पर टँगे बहुत-से चश्मे लिए अभी-अभी एक गली से निकला था और अब एक बंद दुकान के सहारे अपना बाँस टिका रहा था । तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं । फेरी लगाता है ! हालदार साहब चक्कर में पड़ गए । पूछना चाहते थे, इसे कैप्टन क्यों कहते हैं ? क्या यही इसका वास्तविक नाम है ? लेकिन पानवाले ने साफ़ बता दिया था कि अब वह इस बारे में और बात करने को तैयार नहीं । ड्राइवर भी बेचैन हो रहा था । काम भी था । हालदार साहब जीप में बैठकर चले गए ।

(क) हालदार साहब किस बात पर आश्चर्यचकित रह गए ?

(A) पानवाले द्‌वारा कैप्टन का मज़ाक उड़ाने पर

(B) कैप्टन की शारीरिक अवस्था को देखकर

(C) कैप्टन को चश्मा बेचते हुए देखकर

(D) ड्राइवर को बेचैन होते देखकर

(ख) दिव्यांग होते हुए भी कैप्टन द्‌वारा फेरी लगाकर अपना गुजर–बसर करना दर्शाता है कि वह _______ था । (रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)

(A) आत्मविश्वासी (B) स्वाभिमानी

(C) सक्षम (D) स्वावलंबी

(ग) पानवाला किसका मज़ाक उड़ा रहा था ?

(A) हालदार साहब का (B) नेताजी का

(C) चश्मेवाले का (D) दुकानवाले का

(घ) हालदार साहब जीप में बैठकर क्यों चले गए ? – इस प्रश्न के उत्तर के लिए निम्नलिखित कथन पढ़िए और उचित विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) पानवाला कैप्टन के विषय में और अधिक बात करने को तैयार नहीं था ।

(ii) कैप्टन की शारीरिक अवस्था देखकर निराश हो गए थे ।

(iii) उन्हें आवश्यक कार्यालयी काम निपटाना था ।

(iv) ड्राइवर बेचैन हो रहा था ।

विकल्प :

(A) (i) और (iii) दोनों (B) (ii) और (iv) दोनों

(C) (i) और (iv) दोनों (D) केवल (i)

(ङ) कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए :

कथन : हालदार साहब के मन में कैप्टन के प्रति सम्मान का भाव था ।

कारण : सुभाष बाबू के प्रति कैप्टन के विशेष लगाव को देखकर वह उससे प्रभावित थे ।

(A) कथन और कारण दोनों गलत हैं ।

(B) कारण गलत है किंतु कथन सही है ।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण उसकी सही व्याख्या करता है ।

(D) कथन सही है किंतु कारण उसकी सही व्याख्या नहीं है ।

10. निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित **चार** प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लगभग **25-30** शब्दों में लिखिए : **$3 \times 2 = 6$**

(क) 'बालगोबिन भगत एक सच्चे गृहस्थ भी थे ।' स्पष्ट कीजिए ।

(ख) "ई काशी छोड़कर कहाँ जाएँ" बिस्मिल्ला खाँ के मन में काशी के प्रति विशेष अनुराग के क्या कारण थे ?

(ग) 'संस्कृति' पाठ के आधार पर संस्कृति और असंस्कृति में अंतर बताइए ।

(घ) 'एक कहानी यह भी' की लेखिका के जीवन पर उनकी प्राध्यापिका शीला अग्रवाल का क्या प्रभाव पड़ा ?

11. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **50-60** शब्दों में लिखिए : **2 × 4 = 8**

(क) 'माता का अँचल' पाठ में भोलानाथ के प्रति उसके माता–पिता के वात्सल्य का उल्लेख है । क्या वर्तमान में भी बच्चों को अपने माता–पिता से ऐसा ही प्रेम मिल पाता है ? तर्कसंगत उत्तर दीजिए ।

(ख) गहन संवेदना की अनुभूति सृजन के लिए प्रेरित करती है । 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'साना साना हाथ जोड़ि ....' के आधार पर सिक्किम जैसे पर्वतीय क्षेत्रों की महिलाओं की स्थिति पर प्रकाश डालिए ।

खंड – घ

(रचनात्मक लेखन) (20)

12. (क) सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता हेतु ट्रैफिक पुलिस की ओर से जनहित में जारी एक आकर्षक विज्ञापन लगभग **100** शब्दों में तैयार कीजिए । **4**

अथवा

(ख) प्रादेशिक स्तर पर आयोजित होने वाली 100 मीटर की बाधा दौड़ में आपके मित्र को प्रथम स्थान मिला है । उसे बधाई देते हुए लगभग **40** शब्दों में संदेश लिखिए । **4**

13. निम्नलिखित **तीन** विषयों में से किसी **एक** विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग **120** शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : **6**

(क) पर्यावरण की आत्मा : वृक्ष

संकेत बिंदु –

- पर्यावरण क्या है
- पर्यावरण में वृक्षों का महत्त्व
- वृक्षारोपण अभियान

(ख) डिजिटल इंडिया

संकेत बिंदु –

- डिजिटल इंडिया क्या है
- डिजिटल होने के लाभ
- सरकार द्वारा उठाए गए कदम

(ग) डेंगू बुखार की मार

संकेत बिंदु –

- डेंगू क्या है
- डेंगू के कारण
- लक्षण एवं बचाव के उपाय

14. (क) आप अदिति / आदित्य हैं । आपकी दादीजी को खेलों में अत्यधिक रुचि है । ओलंपिक खेल-2024 में भारत के प्रदर्शन के बारे में जानकारी देते हुए लगभग **100** शब्दों में पत्र लिखिए । **5**

अथवा

(ख) आप अदिति / आदित्य हैं । आपके मोहल्ले में आवारा पशुओं की समस्या बहुत बढ़ गई है । इस ओर ध्यान आकर्षित कराते हुए स्थानीय नगरपालिका अध्यक्ष को लगभग **100** शब्दों में पत्र लिखिए । **5**

15. (क) आप भव्या / भव्य हैं । आपने पुस्तकालय विज्ञान में स्नातक डिग्री (बी.लिब.) प्राप्त की है । आपके क्षेत्र के सार्वजनिक पुस्तकालय में पुस्तकालय अध्यक्ष का पद रिक्त है । उक्त पद के लिए आवेदन हेतु लगभग **80** शब्दों में अपना एक स्ववृत तैयार कीजिए । **5**

अथवा

(ख) आप भव्या / भव्य हैं । विद्यालय में नामांकन के समय आपकी जन्मतिथि गलत दर्ज़ हो गई है । दसवीं के पंजीकरण से पहले आप इसे सुधरवाना चाहते हैं । जन्मतिथि में सुधार हेतु निवेदन करते हुए प्रधानाचार्य को लगभग **80** शब्दों में एक ई–मेल लिखिए । **5**

अंकन योजना

अत्यंत गोपनीय (केवल आंतरिक और सीमित प्रयोग हेतु)

सेकेंडरी स्कूल परीक्षा 2025

कक्षा- 10 वीं   विषय: हिंदी (A)   विषय कोड- 002   प्रश्न पत्र कोड- 3/6/3

सामान्य निर्देश:

1.	आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी भूल भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा व्यवस्था और अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ और समझ लें।
2.	मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है। आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित होने की वजह से मूल्यांकन की गोपनीयता अनिवार्य है। किसी भी प्रकार से इसके सार्वजनिक होने या 'लीक' होने पर परीक्षा व्यवस्था पर दुष्प्रभाव पड़ सकता है जिससे लाखों उम्मीदवारों का जीवन और भविष्य प्रभावित हो सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना भारतीय दंड संहिता (IPC) के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।
3.	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंकन योजना का अनुपालन समग्रतापूर्वक और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित या अभिनव हैं (innovative), उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा दसवीं के प्रश्न पत्र में दिए गए दो दक्षता आधारित (competency based) प्रश्नों का मूल्यांकन करने में कृपया विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें। विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर चाहे अंकन योजना में दिए गए उत्तर से मेल न खाते हों, तब भी यदि उन्होंने सही दक्षताओं को व्यक्त किया हो तो उन्हें उचित अंक दिए जाने चाहिए।
4.	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल बिंदु सुझाए जाते हैं। ये बिंदु प्रकृति में केवल दिशानिर्देशों की भाँति होते हैं और पूरे उत्तर का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। विद्यार्थी अपनी शैली में उत्तर दे सकते हैं और यदि उनकी अभिव्यक्ति सही है, तो उसके अनुसार उचित अंक दिए जाने चाहिए।
5.	अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया गया है, यह सुनिश्चित करने के लिए मुख्य परीक्षक पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा जाँची गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें। यदि कोई अंतर है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद वह समाप्त /शून्य हो जाना चाहिए। परीक्षकों को मूल्यांकन के

	लिए शेष उत्तरपुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब मुख्य परीक्षक आश्वस्त हो कि मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में बहुत अधिक भिन्नता नहीं है।
6.	मूल्यांकनकर्ता सही उत्तर पर सही का निशान (✔) लगाएँ। गलत उत्तर के लिए गलत का चिह्न (x) लगाएँ। मूल्यांकनकर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा लगता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए हैं। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।
7.	यदि किसी प्रश्न के उपभाग भी हों, तो कृपया प्रश्नों के प्रत्येक उपभाग के उत्तर पर **दाईं** ओर अंक दिए जाएँ। बाद में, उस प्रश्न के सभी उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।
8.	यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो, तो **बाईं** ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।
9.	यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी एक को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हीं पर अंक दें और अन्य उत्तर को काटकर उस पर 'अतिरिक्त प्रश्न' लिख दें।
10.	एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो हर बार उसके अंक न काटें। एक जैसी त्रुटि के लिए अंक एक बार ही काटे जाएँ।
11.	यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0-80 (उदाहरण के लिए प्रश्न-पत्र में दिए अधिकतम अंकों के अनुसार 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का प्रयोग अनिवार्य रूप से किया जाए। परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 80 अंक देने में संकोच न करें।
12.	प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता को पूर्ण कार्य अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की 20 उत्तर पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)
13.	नीचे कुछ सामान्य त्रुटियों की सूची दी गई है जिन्हें पिछले वर्षों में मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा किया जाता रहा है। यह सुनिश्चित करें कि आप इस प्रकार की त्रुटियाँ न करें– ● उत्तरपुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना ● उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक दे देना ● उत्तर के लिए दिए गए अंकों का योग ठीक न होना ● उत्तरपुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना ● आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि ● आवरण पृष्ठ पर दो कॉलम के अंकों का योग करने में अशुद्धि ● कुल अंकों के योग में अशुद्धि

	• प्राप्तांकों को संख्याओं और शब्दों में लिखने में अंतर होना • उत्तरपुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना • उत्तरों पर सही का चिह्न (✔) लगाना किंतु अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि (✔) या (x) का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो) • उत्तर का एक भाग सही और बाकी गलत हो किंतु कोई अंक न दिए गए हों।
14.	उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए, यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
15.	उत्तरपुस्तिका पर किसी प्रश्न का बिना जाँच किए छूट जाना, मुख्य पृष्ठ पर अंतरण न होना या प्राप्तांकों के योग में किसी त्रुटि का पता लगना मूल्यांकन कार्य से जुड़े सभी लोगों की छवि को और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है। इसलिए, सभी की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए।
16.	सभी मूल्यांकनकर्ता वास्तविक मूल्यांकन कार्य प्रारंभ करने से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित अवश्य हो जाएँ।
17.	प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जा चुका है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।
18.	केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देती है। सभी मूल्यांकनकर्ताओं/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक उत्तर का मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य बिंदुओं के अनुसार ही किया जाए।

अंकन योजना मार्च, 2025

प्रश्न पत्र कोड: 3/6/3

विषय: हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') **विषय कोड 002** **कक्षा – दसवीं**

प्रश्न संख्या	**उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु**	**अंक**
	[खंड - क] (अपठित बोध)	14
1.	अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	7
(क)	(A) नैतिक मूल्यों का ज्ञान	1
(ख)	(B) समाज के भविष्य निर्माताओं को तैयार करने की भूमिका के कारण	1
(ग)	(C) कथन सही है, किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।	1
(घ)	परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- ● विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचान उन्हें विकास के मार्ग पर अग्रसर करने के कारण ● जीवन-कौशल और नैतिक मूल्यों का ज्ञान प्रदान करने के कारण (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ *केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(ङ)	परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- ● शिष्य के व्यक्तित्व को आकार देने के कारण ● शिष्य की कमियों को पहचान कर दूर करने के कारण * कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ *केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक)	

	------------------------------ * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
2.	अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	7
(क)	(C) कवि आत्मविश्वासी है और अपना मार्ग स्वयं बनाना चाहता है।	1
(ख)	(B) जो अक्षम और निराश होते हैं।	1
(ग)	(A) अपनी ही धुन पर थिरकते गायक मंडली से	1
(घ)	परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त आशय लिखेंगे- ● जीवन के नए रास्ते कवि स्वयं निर्मित करना चाहता है। ● लीक पर चलने की जगह स्वयं के संघर्षों से प्राप्त उपलब्धियाँ कवि को आत्मिक संतुष्टि देती हैं और प्रिय लगती हैं। (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य) * उपयुक्त आशय लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ * उपयुक्त आशय न लिख पाने परंतु काव्य-पंक्ति के अर्थ से संबंधित थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(ङ)	परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- ● जीवन में सतत आगे बढ़ने की ● जीवन के प्रति आशावान बने रहने की ● बेफिक्र होकर सपने देखने और जीवन जीने की ● अपने स्वभाव और इच्छा के अनुकूल जीवन जीने की ● धैर्य, स्वाभिमान, संकल्प, उत्साह, आनंद, आत्मविश्वास से पूर्ण जीवन जीने की (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक)	2

	------------------------------ * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
	[खंड - ख] (व्यावहारिक व्याकरण)	16
3.	'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	4
(क)	काशी आज भी संगीत के स्वर/स्वरों पर जागती और सोती है ।	1
(ख)	द्विवेदी जी ने व्याकरण और वर्तनी के जो नियम स्थिर किए वे लेखकों की सुविधा के लिए थे अथवा जिन व्याकरण और वर्तनी के नियमों को द्विवेदी जी ने स्थिर किया वे लेखकों की सुविधा के लिए थे	1
(ग)	मिश्र वाक्य	1
(घ)	जो कल यहाँ आया था। - विशेषण आश्रित उपवाक्य	½+½ = 1
(ङ)	ये बोल सुबह की प्रार्थना के थे और इन्हें मैंने एक नेपाली युवक से सीखा था । अथवा सुबह की प्रार्थना के ये बोल मैंने एक युवक से सीखे और वह नेपाली था ।	1
4.	'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	4
(क)	बालगोबिन ने पतोहू को मायके भेज दिया ।	1
(ख)	भाववाच्य	1
(ग)	भाववाच्य	1
(घ)	निराला द्वारा अपनी रचनाओं के माध्यम से परिवर्तन का आह्वान किया गया है ।	1
(ङ)	कर्तृवाच्य	1
5.	'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के लिए **सही व्याकरणिक कोटि** के साथ कोई **एक अन्य बिंदु** अपेक्षित :	4
(क)	ध्वनि - संज्ञा, जातिवाचक ,स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक	1
(ख)	पाँचवें – विशेषण, निश्चित संख्यावाचक, पुल्लिंग, 'मंडल' विशेष्य, क्रमसूचक	1

(ग)	देर तक – अव्यय, क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'खड़े रहे' क्रिया की विशेषता	1
(घ)	और – समुच्चयबोधक, समानाधिकरण, 'विद्या' और 'शिक्षा' पदों को जोड़ने वाला	1
(ङ)	वे – सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, पुल्लिंग / स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक	1
6.	'अलंकार'' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	4
(क)	रूपक अलंकार	1
(ख)	अतिशयोक्ति अलंकार के उपयुक्त उदाहरण पर पूरे अंक दिए जाएँ - **उदाहरणार्थ** - एक साथ रघु ने पैरों से चाँपा अविकल । पितृ-दत्त सिंहासन और सकल अरिमंडल ।	1
(ग)	उपमा अलंकार	1
(घ)	मानवीकरण अलंकार	1
(ङ)	उत्प्रेक्षा अलंकार	1
	[खंड - ग] (पाठ्य-पुस्तक और पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित)	30
7.	पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	5
(क)	(D) जिनका मन कृष्ण के प्रति स्थिर न हो	1
(ख)	(C) गोपियाँ – कृष्ण	1
(ग)	(B) उद्धव के बताए योग को	1
(घ)	(A) गोपियाँ दिन-रात कृष्ण के नाम का जप करती रहती हैं।	1
(ङ)	(B) कथन और कारण दोनों ही गलत हैं।	1
8.	निर्धारित कविताओं के आधार पर चार प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित:	6
(क)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • वात्सल्य की अनुभूति • निराश मन में आशा का संचार • कठोर मन में कोमल भावनाओं का प्रवाह (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)	2

	* दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ----------------------------- * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर अथवा * कविता के आधार पर कवि की भावनाओं के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ----------------------------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(ख)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई **दो** उपयुक्त बिंदु लिखेंगे- • किसी व्यक्ति की सफलता में कई लोगों का योगदान होता है। • प्रत्येक व्यक्ति की अपनी-अपनी भूमिका और अपना-अपना महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। • कला माध्यमों में सहायक कलाकारों की अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है पर साधना, अभ्यास और परिश्रम के बाद भी सम्मान, सराहना और पहचान सिर्फ मुख्य कलाकारों को ही मिलती है। (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ----------------------------- * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर अथवा * कविता के आधार पर संगतकार के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ----------------------------- *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(ग)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई **दो** उपयुक्त बिंदु लिखेंगे- • अनंत– ईश्वर, आकाश, अंतहीन। बादल ईश्वर की करुणा के प्रतिनिधि, उनके संदेशवाहक के रूप में। आकाश में ही आच्छादित और कभी न खत्म होने वाले अर्थात अंतहीन। • बरस कर प्यासी-सूखी धरा को जल-प्लावित, हरा-भरा, लोगों के जीवन में सुख-आनंद, सुख-समृद्धि का संचार करने वाले। (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) -----------------------------	2

	* केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर अथवा कविता के संदर्भ में बादलों के बारे में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(घ)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई **दो** उपयुक्त बिंदु लिखेंगे- ● जीवन में अकेलेपन पर ● जीवन में सुख के अभाव पर ● विशेष उपलब्धियों के न होने पर ● स्वप्न के अधूरे रह जाने पर (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर अथवा * सटीक कारण न लिख पाने परंतु कविता के संदर्भ में कवि के जीवन के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
9.	पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	5
(क)	(B) कैप्टन की शारीरिक अवस्था को देखकर	1
(ख)	(D) स्वावलंबी	1
(ग)	(C) चश्मेवाले का	1
(घ)	(C) (i) और (iv) दोनों	1
(ङ)	(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण उसकी सही व्याख्या करता है।	1
10.	निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर चार में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित -	6
(क)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** उपयुक्त बिंदु लिखेंगे-	2

	• खेतीबाड़ी करना • बहू-बेटे वाला परिवार • साफ-सुथरे मकान में निवास • गंगा स्नान जाते समय किसी से भिक्षा न लेना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ * कोई एक बिंदु लिखने पर अथवा बालगोबिन भगत के व्यक्तित्व के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(ख)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** उपयुक्त कारण लिखेंगे- • काशी से उनके पूर्वजों का संबंध • बचपन का जुड़ाव • काशी में रहकर ही सुर साधना करना और शहनाई-वादन में विश्व में प्रसिद्धि पाना • काशी की समृद्ध परंपराओं, खानपान, रहन-सहन, गंगा मइया, बालाजी, बाबा विश्वनाथ आदि से जुड़ाव (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * कोई दो उपयुक्त कारण लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ * कोई एक कारण लिखने पर **अथवा** पाठ के आधार पर बिस्मिल्ला खाँ के बारे में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(ग)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त **अंतर** लिखेंगे- • **संस्कृति** – कल्याणकारी • **असंस्कृति** – अकल्याणकारी, विध्वंसात्मक, आत्म-विनाशक (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)	2

	* उपयुक्त अंतर लिखने पर (2 अंक) ----------------------------- * संस्कृति या असंस्कृति एक के संबंध में एक बिंदु लिखने पर अथवा थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ----------------------------- *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(घ)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर कोई **दो** उपयुक्त बिंदु लिखेंगे- • समझ और साहित्यिक रुचि का विस्तार • चयन करके पढ़ने की प्रेरणा • देशप्रेम की भावना को एक दिशा देना • आज़ादी के आंदोलन में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ----------------------------- * कोई एक बिंदु लिखने पर अथवा पाठ के आधार पर शीला अग्रवाल के बारे में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ----------------------------- *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
11.	पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	8
(क)	परीक्षार्थी अपने अनुभवों एवं विचारों से **दो** बिंदुओं में उपयुक्त और स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, **जैसे-** • माता-पिता का संतान के प्रति सहज निश्छल प्रेम व वात्सल्य शाश्वत परंतु बदलते समय के साथ उसकी अभिव्यक्ति में अंतर • भोलानाथ के माता-पिता के समय में जीवन अत्यंत सरल और पर्याप्त समय परंतु वर्तमान जीवन-शैली की जटिलता और व्यस्तता के कारण पिता के पास समयाभाव (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो उपयुक्त बिंदुओं में तर्कसंगत उत्तर लिखने पर (2+2=4 अंक) -----------------------------	4

	* किसी एक बिंदु का तर्कसंगत विस्तारपूर्वक उत्तर लिखने और एक का मात्र उल्लेख करने पर (3 अंक) ------------------------------ * केवल दो उपयुक्त बिंदुओं का उल्लेख करने पर अथवा * किसी एक बिंदु को विस्तार से लिखने पर (2 अंक) ------------------------------ * केवल एक बिंदु का उल्लेख करने पर **अथवा** पाठ से किसी एक घटना को लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(ख)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- ● गहन संवेदनात्मक अनुभूति हृदय के भावों के प्रकटीकरण में सहायक ● इसके बिना किसी भी प्रकार का सृजनात्मक लेखन असंभव ● प्रत्यक्ष अनुभूति से आतंरिक विवशता की उत्पत्ति और लेखन की प्रेरणा जैसे लेखक का हिरोशिमा में पत्थर पर व्यक्ति की छाया देखने के पश्चात स्वयं को भोक्ता मानना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) *पाठ का आधार लेकर विस्तार सहित उपयुक्त उत्तर लिखने पर (4 अंक) ------------------------------ * पाठ का आधार लेकर संक्षेप में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (3 अंक) ------------------------------ * पाठ से लेखक की जापान यात्रा और हिरोशिमा के प्रसंग का वर्णन कर देने पर (2 अंक) ------------------------------ * हिरोशिमा के अस्पताल अथवा जले पत्थर पर मनुष्य की छाया वाली घटना का उल्लेख करने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	4
(ग)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- ● अथक परिश्रम और महत्त्वपूर्ण योगदान	4

	● गरीबी, अभावों, वंचनाओं की शिकार ● मातृत्व और श्रम-साधना का संतुलन (पत्थर तोड़ने का कार्य करते हुए छोटे बच्चे साथ) ● सामाजिक और आर्थिक जीवन में सक्रिय ● जीवन के उल्लास और उमंग से भरपूर (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो उपयुक्त बिंदुओं में विस्तार सहित उत्तर लिखने पर (2+2= 4 अंक) ------------------------------ * किसी एक बिंदु का विस्तार करने और दूसरे को संक्षेप में लिखने पर (3 अंक) ------------------------------ * किसी एक बिंदु को विस्तार से लिखने **अथवा** दोनों बिंदुओं का संक्षेप में उल्लेख करने पर (2 अंक) ------------------------------ *केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
	[खंड - घ] (रचनात्मक लेखन)	20
12. (क) अथवा (ख)	किसी **एक** विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन अथवा संदेश लेखन अपेक्षित : **विज्ञापन - लेखन :** ● रचनात्मकता + प्रस्तुति = 1 अंक ● विषयवस्तु = 2 अंक ● भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :-** ● विज्ञापन-लेखन में रंगों और चित्रों का प्रयोग अनिवार्य नहीं है। इसके लिए अंक न काटे जाएँ। ● भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। ● सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। **संदेश-लेखन :** ● प्रारूप = 1 अंक ● विषयवस्तु = 2 अंक	4

	• भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :-** • संदेश लेखन का कोई एक निश्चित प्रारूप नहीं है। परीक्षार्थी द्वारा किसी उपयुक्त प्रारूप के उपयोग पर ही अंक दिए जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	
13.	**एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लेखन अपेक्षित : **अनुच्छेद-लेखन :** • भूमिका = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • निष्कर्ष = 1 अंक • भाषा शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :-** • दिए गए संकेत बिंदुओं को शामिल करते हुए यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और रचनात्मक भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ।	6
14. (क) अथवा (ख)	किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लेखन अपेक्षित : **पत्र-लेखन :** • प्रारूप (आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ) = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :** • उपयुक्त प्रारूप होने पर ही पत्र माना जाए और अंक दिए जाएँ। • प्रारूप और आरंभ-अंत की औपचारिकताओं में किसी तरह का रूढ़ बंधन तय नहीं किया जाए। (दाएँ-बाएँ, सेवा में आदि पर अतिरिक्त ध्यान न दिया जाए।) • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ।	5

	• भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	
15. (क) अथवा (ख)	किसी **एक** विषय पर लगभग 80 शब्दों में स्ववृत अथवा ई-मेल लेखन - **स्ववृत्त-लेखन :** • प्रारूप = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :-** • व्यक्तिगत जानकारी, शैक्षणिक योग्यताएँ आदि को शामिल कर यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और उपयुक्त भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। **औपचारिक ई-मेल :** • प्रारूप = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश:-** • उपयुक्त प्रारूप होने पर ही ई-मेल माना जाए और अंक दिए जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	5